**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**27.07.2018 के**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 1273 का उत्‍तर**

**आजमगढ़ रेलवे स्‍टेशन पर यात्री सुविधाएं**

**1273. चौधरी सुखराम सिंह यादव:**

**श्री विशम्‍भर प्रसाद निषाद:**

**क्‍या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्‍या शायर कैफी आजमी के शहर के रूप में मशहूर पूर्वोत्‍तर रेलवे के वाराणसी मंडल के अंतर्गत आजमगढ़ रेलवे स्‍टेशन पर बुनियादी यात्री सुविधाएं प्रदान करने, प्रतीक्षा कक्ष की हालत में सुधार लाने और स्‍टेशन पर साफ-सफाई की अव्‍यवस्‍था को दूर करने हेतु मंत्रालय के पास कोई कार्य योजना है;

(ख) आजमगढ़ से प्रतिदिन कितनी रेलगाडि़यां चलाई जाती हैं और यहां की जन सुविधाओं को और सुदृढ़ करने हेतु मंत्रालय क्‍या कदम उठाएगा; और

(ग) क्‍या मंत्रालय शायर कैफी आजमी जैसे मशहूर लेखकों/विचारकों की याद में उनके गृह जिलों के स्‍टेशनों पर संग्रहालय बनाने पर विचार करेगा?

**उत्‍तर**

**रेल मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

(क): आजमगढ़ एक गैर-उपनगरीय ग्रेड (एनएसजी)-3 (पूर्ववर्ती "ए" ग्रेड) कोटि का स्‍टेशन है। इस स्‍टेशन पर प्रतीक्षालय, यात्री प्रतीक्षा हॉल (पुरुष और महिलाओं के लिए अलग-अलग) सहित सभी न्‍यूनतम आवश्‍यक सुविधाएं अच्‍छी स्थिति में हैं। प्‍लेटफॉर्म पर पर्याप्‍त संख्‍या में स्‍टेनलेस स्‍टील और आरसीसी के बेंच सही स्थिति में मौजूद हैं। इस स्‍टेशन को आदर्श स्‍टेशन योजना के अंतर्गत भी विकसित किया गया है। बहरहाल, यात्री सुविधाओें का उन्‍नयन एक सतत् एवं निरंतर प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य आवश्‍यकता, यात्री यातायात की मात्रा और निधियों की उपलब्‍धता के अनुसार उनकी पारस्‍परिक प्राथमिकता के आधार पर किए जाते हैं। यंत्रीकृत सफाई ठेके दिए गए हैं, जो संतोषजनक ढंग से कार्य कर रहे हैं।

(ख): वर्तमान में, आजमगढ़ से 03 जोड़ी मेल/एक्‍सप्रेस और 01 जोड़ी पैसेंजर गाडि़यां आरंभ/समाप्‍त होती हैं। इसके अलावा, आजमगढ़ में 10 जोड़ी मेल/एक्‍सप्रेस और 03 जोड़ी पैसेंजर गाडि़यों का ठहराव निर्धारित किया गया है, जो विभिन्‍न महत्‍वपूर्ण गंतव्‍यों से संपर्क मुहैया कराती हैं।

इसके अलावा, यातायात के औचित्‍य, परिचालनिक व्‍यवहार्यता, वाणिज्यिक अर्थक्षमता, संसाधनों की उपलब्‍धता आदि के अध्‍यधीन भारतीय रेलवे में नई गाडि़यों को चलाना एक सतत् प्रक्रिया है।

(ग): वर्तमान में, रेल मंत्रालय के मशहूर लेखकों/विचारकों के संस्‍मरण में उनके गृह जिलों के नाम पर संग्रहलय स्‍थापित करने की कोई योजना नहीं है।

\*\*\*\*\*